रेशम का बदन

“यह कहानी मेरी और मेरी कहानी की एक प्रशंसिका की है... क्या लड़की थी वो दोस्तो... मैंने ऐसी लड़की कभी नहीं देखी थी, एकदम दूध सी गोरी, मलाई जैसे उसके होंठ!...”

Story By: Narendra Kumar (narendra1104631)
Posted: Thursday, October 1st, 2015
Categories: कोई मिल गया
Online version: रेशम का बदन

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रेशम का बदन

कहानी इस प्रकार है कि एक बार मैं अपना मेल अकाउंट चेक कर रहा था, उसमें मैंने एक लड़की का मेल देखा।
उसका नाम रेशम था।
मैंने उसको हेलो का मेसेज किया।

कुछ देर बाद उसका एक मेसेज आया, उसमें लिखा था कि वो मेल बहुत कम प्रयोग करती है।फिर मैंने उसकी फ़ेसबुक आइडी माँगी और उसने खुशी खुशी दे दी।
मैं कभी ऐसे ही किसी लड़की से बात नहीं करता तो मैंने सबसे पहले उसकी प्रोफाइल चेक की।
क्या लड़की थी वो दोस्तो… मैंने ऐसी लड़की कभी नहीं देखी थी, एकदम दूध सी गोरी, मलाई जैसे उसके होंठ!

मैं अपने आप को रोक ही नहीं पाया और एक मैसेज कर दिया, मैंने लिखा- मैं रवीन्द्र हूँ, बताइए कि आपने मुझे ईमेल क्यूँ किया था?
वहाँ से रिप्लाई आया कि वो मुझसे मिलना चाहती है।
मैंने उसको बोला- मैं अंजान लोगों से नहीं मिलता।
उसने मुझसे बोला- चलो जान पहचान कर लेते हैं।

दोस्तो, उसकी यह बात मुझको बहुत अच्छी लगी और हम लोगों में बातचीत शुरू हुई।
उसने बताया कि वो दिल्ली से है और बंगलुरु में पढ़ाई करती है, उसका कोई बॉयफ्रेंड नहीं है।

मैंने उससे पूछा कि मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ?

उसने बोला- क्या आप मेरी सेवा करोगे ?

दोस्तो, सच बोलूँ तो फ़ेसबुक में बात करने में ही वो बहुत प्यारी लग रही थी।
इसके दो कारण हो सकते हैं, एक तो मैंने कई दिनों से चूत का स्वाद नहीं लिया था, दूसरा यह कि वो वाकयी में बहुत अच्छी थी।
दोस्तो, फ़ेसबुक के दौरान हम लोगों ने एक दूसरे के नंबर ले लिए और रात भर बात करने लगे।
उसकी आवाज़ तो बहुत ही प्यारी थी।
दोस्तो, दिल्ली की लड़कियों का कोई जवाब नहीं है। भारत में कहीं भी स्वर्ग है तो वो दिल्ली में ही है।

ऐसे ही बात करते हुए हम लोगों ने मिलने का प्लान बनाया और कॉफी पर गये।
मैंने उससे कहा- आप मुझसे क्या चाहती हो। प्लीज़ खुल कर बात करो।
उसने कहा- मेरा एक बॉयफ्रेंड था अब उससे ब्रेकअप हो चुका है, मैंने दो साल से चुदाई नहीं की है। क्या आप मेरी इस ख्वाहिश को पूरा करोगे ?
मैंने उससे कहा- मैं यह काम फ्री में नहीं करता।
तो उसने मुझको 3000 रुपये दिए और बोली- बाकी के 2000 काम के बाद।

मैंने वो रुपये लिए और पूछा- कब और कैसे करना है ?
उसने बोला- कल करना है, और कैसे करना है वो तो आप जानते ही हो !इस बात पर मुझको हंसी आ गई।

उसके बाद मैंने उससे कहा- मुझको आपकी ब्लड रिपोर्ट चाहिए और आप मेरी रिपोर्ट देख लेना।
उसने हाँ कर दी।
दोस्तो, मैंने ऐसा उसको बुरा लगने के लिए नहीं कहा था, चुदाई अपनी जगह है पर

जिंदगी सबसे ज्यादा ज़रूरी है।
उसके बाद हम लोग डॉक्टर क पास गये, हम दोनों की रिपोर्ट नॉर्मल थी, हम दोनों बहुत खुश हुए।

अगले दिन हमने चुदाई का प्लान बनाया, चुदाई के लिए उसने मुझको अपने रूम पर बुलाया।

मैंने डोर बेल बजाई और उसने दरवाजा खोला।
हम दोनों ने एक दूसरे को हग किया और एक लंबा सा किस हुआ।

उसने बोला- यार, कुछ खा लो, फिर मुझे खा लेना! मुझसे तुम्हारा पेट नहीं भरेगा।
उसने नाश्ता लगाया और एक प्रेमी प्रेमिका की तरह हम दोनों ने एक दूसरे को खाना खिलाया।

वो बहुत खुश लग रही थी, वो बोली- मैं नहा कर आती हूँ, तुम मेरा इंतजार करो।
दोस्तो, चुदाई के पहले का इंतजार बहुत मीठा होता है।

वो नहा कर बाहर आई, उसके बालों से पानी मोतियों की तरह टपक रहा था।
मैं उठा और उस पानी को अपने होंठो से पी लिया।

वो बोली- सो रोमॅटिक!
और मेरी बाहो में झूल गई और चुम्बन का एक लंबा सा दौर आया।
उसके होंठों का कोई जवाब नहीं, वो किसी परी से कम नहीं थी।

मैंने उसको अपनी बाहों में उठाया और उसके बेड पर ले गया, लिटाने के बाद मैंने उसकी आँखों को देखा, बिल्कुल ऐसी क़ि मानो किसी ने काला डोरा रखा हो, बनाने वाले ने उसको बहुत प्यार से बनाया था, मैं अपने आप को खुशनसीब मान रहा था।

मैंने उसकी आँखों पर चुम्बन किया और वो किसी और दुनिया में चली गई। फिर मैंने उसकी कान के पास चुम्बन किया और उसकी साँसें तेज हो गई।

दोस्तो, हम लड़के बस चुदाई को ही देखते हैं, कभी भी किसी लड़की को मज़ा नहीं देते…
मैं उसको चुदाई का पूरा मज़ा देना चाहता था।
हम दोनों के शरीर से कपड़े जुदा चुके थे, मैंने उसकी प्यारी सी कोमल चूत को चूसना शुरू किया।
तकरीबन आधे घंटे तक हम दोनों ने एक दूसरे को चूमा और चाटा।
हमने सेक्स के लिए कोई जल्दी नहीं की।
इस दौरान वो दो बार झड़ चुकी थी।

मैंने पूछा- क्या तुम चुदाई के लिए तैयार हो ?
इसके बाद हम दोनो ने दो बार सेक्स किया। सेक्स कैसे करते हैं, यह तो आप सब जानते हैं।

जब मैं वहाँ से चलने लगा तो मुझको एहसास हुआ कि आज मैंने जिंदगी में पहली बार सेक्स का ऐसा मज़ा लिया है।
मेरे दिल में एक बात थी कि मुझे उससे पैसे नहीं लेने चाहिए थे।
मैंने अपना पर्स निकाला और उसके पैसे उसको वापस कर दिए।
उसने बहुत मना किया पर मैंने उसको बोला- यार जो आज हुआ है वो मेरे लिए बहुत है।
ऐसा मज़ा कोई और मुझको नहीं दे सकता, पैसे लेकर मैं गिरना नहीं चाहता। अगर फिर कभी बुलाओगी तो मैं पैसे ज़रूर लूँगा!
और मैं वहाँ से चला आया।

दोस्तो, मेरी कहानी आपको कैसी लगी, ज़रूर बताना।
मेरी मेल आइडी है

narendra1104631@gmail.com